अविनाश दीक्षित
आयुक्त
Avinash Dikshit
Commissioner

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
18, संस्थागत क्षेत्र / 18, Institutional Area,
शहीद जीत सिंह मार्ग / Shaheed Jeet Singh Marg,
नई दिल्ली – 110 602 / New Delhi-110 602

फा सं. 01/आयुक्त/2010-11/केविसं(मु0) दिनांक: 25 मार्च 2011

प्रिय प्राचार्यवृंद,

सर्वप्रथम मैं आगामी शिक्षा सत्र के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रदान करता हूँ और आशा करता हूँ कि इस नव वर्ष संवतसर **2068** में संगठन अधिक उन्नति की ओर अग्रसर होगा। मुझे संगठन में लगभग एक वर्ष पूरा होने वाला है और इस संगठन में एक वर्ष के अनुभव के आधार पर मैं कुछ अपने विचार आपके साथ बाँटना चाहता हूँ।

2. प्राचार्य की विद्यालय में भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और प्राचार्य ही शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए ज्ञान और मूल्यों के प्रदर्शक के रूप में कार्य करते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास हैं कि आप सभी, संगठन की अपेक्षाओं के संबंध में अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका के विषय में भली-भाँति अवगत होंगें। आज शिक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को ज्ञान और कौशलों से पूर्ण सुसज्जित करना है जो उन्हें **21**वीं शताब्दी की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए समर्थ बना सकें और उन्हें ऐसे नागरिक वनाना हैं जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। साथ ही साथ अपने देश के लिए गौरवशाली हो सकें। केंद्रीय विद्यालय संगठन एक ऐसा संगठन है जिसमें भौगोलिक, क्षेत्रीय, समाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक इत्यादि विभिन्न प्रकार की विविधता है और यह विविधता अपने आप में शक्ति (बल) व चुनौती साथ-साथ लिए हुए है। अभी तक केन्द्रीय विद्यालय संगठन इन चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करता आ रहा है और वर्तमान में केंद्रीय विद्यालयों को गुणवत्तापरक शिक्षा के केंद्र के रूप में जाना जाता है। यद्यपि उत्कृष्टता की कोई सीमा नहीं होती है तथापि शिखर पर पहुंचे किसी भी संगठन अथवा व्यक्ति को उस स्थान पर कायम रहने के लिए वहुत चौकसी की आवश्यकता होती है

दूरभाष : 26512579, फैक्स : 011 – 26852680 / 26514179, ई – मेल : adikshit@nic.in, वैबसाईट : www.kvsangathan.nic.in
Tel : 26512579 Fax : 011-26852680 / 26514179, E-mail : adikshit@nic.in, Website : www.kvsangathan.nic.in

उपर्युक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर और सघन मूल्यांकन (सीसीई) योजना इस दिशा में एक सही कदम है। तथापि, इस योजना को सफलतापूर्वक कार्यान्वित करने के लिए शिक्षक वर्ग के स्तर पर बहुत प्रयास आवश्यक हैं और मुझे यह भी विश्वास है कि आप इस ओर पर्याप्त ध्यान दे रहें होंगें। एक अन्य चुनौती जिसपर हमें विजय प्राप्त करनी है वह है शिक्षा के अधिकार (आरटीई) अधिनियम को सफलतापूर्वक इस प्रकार कार्यान्वित करना कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा निर्धारित उच्च मानकों को कायम रखते हुए केंद्रीय विद्यालयों में प्रदान की जा रही शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। नवीनतम प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का प्रयोग अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में हमारे लिए सहायक सिद्ध हो सकता है इसलिए हमें स्वेच्छा से इस नूतन प्रौद्योगिकी को अपनाने और कार्यान्वित करने के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए। साथ ही साथ हमें अपने कौशलों को अपग्रेड करते रहना चाहिए।कुछ दिन पहले भी मैंनें खेलकूद सुविधाओं के विकास और खेलों में विद्यालय टीम के संबंध में आपको पत्र लिखा था। अत: इस संबंध में आपके द्वारा की गई प्रगति और फीडबैक संबंधी जानकारी आपसे प्राप्त करना चाहूँगा।

यद्यपि उपर्युक्त सभी विषय महत्वपूर्ण हैं तथापि, प्रत्येक प्राचार्य के नेतृत्व की गुणवत्ता का सफलता में अहम योगदान है।नि:संदेह प्राचार्य ही सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए प्रेरणा-स्रोत होते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप अपने विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए स्वयं मार्गदर्शी एवं उत्प्रेरणा का एक उदाहरण प्रस्तुत करेंगें।

मैं, अन्त में इस बात पर भी बल देना चाहूँगा कि विनम्रता का ज्ञान से अटूट संबंध है, अत: हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एक संगठन के रूप में हम सभी के साथ चाहे अभिवावक हों या विद्यार्थी हों अथवा अन्य कोई जो विद्यालय में कार्य से आते हैं अर्थात सभी के समक्ष विनम्रता एवं शालीनता का भाव प्रस्तुत करें।

श्री Malcolm Forbes ने इस संबंध में ठीक ही कहा है कि :

"Education's purpose is to replace on empty mind with an open one" अर्थात

"निस्सार मस्तिष्क का निर्मल मन-मस्तिष्क में परिवर्तन ही शिक्षा का मूल उद्देश्य है।"

आपका

अविनाश दीक्षित

(अविनाश दीक्षित)
आयुक्त

सेवा में ,
प्राचार्यवृंद,
समस्त केन्द्रीय विद्यालय.